राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
माध्यमिक पाठ्यक्रम : कर्नाटकसंगीत
पाठ 3 : प्रमुख रचयिताओं की जीवनियां
कार्यपत्रक - 3

1. संत पुरंदर दास के वास्तविक नाम का उल्लेख करें।

2. श्याम शास्त्री के वास्तविक नाम का उल्लेख करें।

3. कर्नाटक संगीत की सांगीतिक त्रिमूर्ति एक ही स्थान पर जन्मे थे। उस स्थान की पहचान करें।

4. संत पुरंदर दास की रचनायें जिस नाम से जानी जाती हैं उसकी पहचान करें।

5. 'कर्नाटक संगीत की त्रिमूर्ति में से त्यागराज की रचनाओं में सर्वाधिक विविधता मिलती है'। इस वाक्य का अपने शब्दों में विशलेषण करें।

6. 'कर्नाटक संगीत के एक रचयिता की पहचान करें जो राजसी परिवार से थे।

7. मुत्तुस्वामी दीक्षितर द्वारा रचित कृतियों के साहित्यिक पक्ष का विशलेषण करें।

8. उस रचयिता की पहचान करें जिसकी रचनाओं में 'भद्रचल' मुद्रा अंकित होती है।

9. कर्नाटक संगीत के 'संगीत पितामह' की पहचान करें। उस राग का उल्लेख करें जिस के आधार पर उन्होंने आज के समय में अनुसरण किये जाने वाले संगीत शिक्षण को व्यवस्थित किया।

10. उस रचयिता की पहचान करें जो ' गुरुगुह' मुद्रा का प्रयोग करता था।